NBT
संडे नवभारत टाइम्स

नई दिल्ली > रविवार, 29 अगस्त 2021 > भाद्रपद 07 शक संवत 1943 भाद्रपद कृष्ण सप्तमी विक्रम संवत 2078

स्कूल खुलेंगे, नहीं बरती जाएगी कोई भी ढिलाई

सख्त गाइडलाइंस के साथ खुलेंगे स्कूल

Bhupender.Sharma
@timesgroup.com

...ताकि सेफ रहें बच्चे

- डीडीएमए विशेषज्ञों ने कहा, अभिभावकों और स्कूल प्रबंधन की स्कूल लेवल कमिटी बने
- स्कूल मैनेजमेंट और बच्चों के अभिभावक मिलकर करें कोविड प्रोटोकॉल का पालन
- स्कूल में बच्चे ओपन में करें लंच, अलग कक्षाओं के लिए अलग-अलग समय रखें
- टीचर्स और बाकी स्टाफ का सौ फीसदी वैक्सीनेशन जरूरी

■ नई दिल्ली : दिल्ली में 1 सितंबर से 9वीं से 12वीं क्लासेज के लिए स्कूल खुल रहे हैं। इसके लिए सख्त गाइडलाइंस तैयार की जा रही है। दिल्ली आपदा प्रबंधन अथॉरिटी (डीडीएमए) की बैठक में विशेषज्ञों ने कहा है कि स्कूल खुलने पर तय की गई एसओपी और गाइडलाइंस का सख्ती से पालन हो और अभिभावकों को भी इस प्रक्रिया में शामिल किया जाए। स्कूल लेवल पर अभिभावकों और स्कूल अधिकारियों की एक कमिटी बने और यह सुनिश्चित किया जाए कि स्कूल मैनेजमेंट व अभिभावक मिलकर कोविड प्रोटोकॉल को पालन करवाएं।

एक्सपर्ट्स ने यह भी सलाह दी है कि बच्चे ओपन स्पेस में के लंच करें। लंच करते समय बच्चे मास्क उतारेंगे और ऐसे में स्कूल में खुली जगह पर ही लंच करने के लिए बच्चों को ले जाया जाए। साथ ही, लंच के लिए अलग-अलग क्लासेज का समय भी अलग हो।

विशेषज्ञों ने कहा है कि स्कूल में टीचर्स व स्टाफ का 100 पर्सेंट वैक्सीनेशन होना चाहिए। हालांकि अधिकारियों ने बताया कि 98 पर्सेंट टीचर्स व स्टाफ को कम से कम एक डोज लग चुकी है। चूंकि एक वैक्सीन में पहली और दूसरी डोज के बीच काफी दिनों का अंतर है, ऐसे में 50 फीसदी टीचर्स को तो दोनों डोज लग चुकी है और बाकी टीचर्स व स्टाफ का नंबर आने पर दूसरी डोज लगेगी। स्कूल ट्रांसपोर्ट को लेकर भी कहा गया है कि सभी स्टाफ का 100 फीसदी वैक्सीनेशन होना चाहिए और उसके बाद ही विभाग स्कूल ट्रांसपोर्ट को लेकर फैसला करें।

स्कूलों में अभिभावकों की क्वेरी भी आने लगी है। पीतमपुरा वसुधा एनक्लेव के एमएम पब्लिक स्कूल की प्रिंसिपल रूमा पाठक का कहना है कि सभी पैरंट्स से पूछा जा रहा है कि वे अपने बच्चों को स्कूल भेजना चाहते हैं या नहीं? जो आदेश हुआ है, उसके मुताबिक ही फैसला किया जाएगा। पैरंट्स की क्वेरी आनी शुरू हो गई है। प्राइवेट स्कूलों में भी ज्यादातर टीचर्स व स्टाफ को वैक्सीन लग चुकी है।

डीडीएमए में यह भी चर्चा हुई कि दूसरी क्लासेज के स्कूल कब से खोले जा सकते है। इस पर तय हुआ कि सीनियर क्लासेज के स्कूलों के बारे में फीडबैक हासिल करने के बाद फैसला लिया जाएगा कि दूसरी क्लासेज के स्कूल कब से खोले जाए।

जागरूक पैरंट्स असोसिएशन के अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह का कहना है कि सरकार का स्कूल खोलने का फैसला बहुत जरूरी था। ऑनलाइन क्लासेज से बच्चों की पढ़ाई का काफी नुकसान हो रहा था। मानसिक तौर पर भी बच्चों को परेशानियां आ रही थीं। माना जा रहा है कि अगर सीनियर क्लासेज को लेकर अच्छा फीडबैक मिलता है तो 8 सितंबर से 6 से 8वीं के स्कूल भी खुल सकते हैं।